कैमूर चेतना सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए प्रकाशित

- ❖ संपादकीय
- ❖ हमारे प्रेरणा स्रोत
- ❖ प्रार्थना
- ❖ बिहार राज्य गीत
- ❖ छात्र प्रतिज्ञा
- ❖ राष्ट्रगान
- ❖ आज का सुविचार
- ❖ दिवस विशेष
- ❖ सामान्य ज्ञान
- ❖ शब्द ज्ञान
- ❖ कंप्यूटर ज्ञान
- ❖ तर्क ज्ञान
- ❖ प्रेरक प्रसंग
- ❖ रोचक तथ्य
- ❖ बूझो तो जाने

OCTOBER 2025

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

विज्ञान ड्रामा में उच्च विद्यालय भगवानपुर प्रथम

सिटी रिपोर्टर | भभुआ/मोहनिया

प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागी विद्यार्थी व अन्य।

जिला स्तरीय विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता में पीएमश्री उच्च विद्यालय भगवानपुर ने प्रथम स्थान पाया। द्वितीय स्थान पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बरली (रामपुर) और तृतीय स्थान पर जायसवाल +2 उच्च विद्यालय, नुआंव रहा। बता दें कि बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर के तत्वावधान में बुधवार को शारदा ब्रजराज +2 उच्च विद्यालय, मोहनिया में प्रतियोगिता हुई। इसका उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा मंचीय प्रस्तुति कौशल को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ संभाग प्रभारी मृत्युंजय कुमार शर्मा एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक

अतिथियों ने कहा कि विज्ञान ड्रामा विद्यार्थियों के लिए सीखने का एक रचनात्मक माध्यम है जो वैज्ञानिक अवधारणाओं को नाट्य प्रस्तुति के जरिये सरल और प्रभावशाली बनाता है। प्रतियोगिता में जिले के कुल 30 विद्यालयों के बच्चे शामिल हुए। विद्यालयों की टीमों ने विज्ञान के विविध विषयों विज्ञान में महिला स्मार्ट खेती,डिजिटल इंडिया, सभी के लिए स्वच्छता, और हरित प्रौद्योगिकी पर अपनी नाट्य

अभिनय, संवाद और संदेश के माध्यम से विज्ञान को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया।सभी विजेता टीमों को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संभाग प्रभारी ओमप्रकाश मिश्रा,मृत्युंजय कुमार शर्मा, मधुकर जी, सुमित कुमार, राजेश कुमार सिंह,श्वेता सुरभि, रजनी ओझा, सतेन्द्र सिंह, अखिलेश कुमार, ऋषिता, अंकिता श्रीवास्तव, आफताब

विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता विजेता बना उवि भगवानपुर

जासं, भभुआ : जिले के मोहनियां नगर के शारदा ब्रजराज प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर में बुधवार को जिला स्तरीय विज्ञान ड्राम्मा प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संभाग प्रभारी मृत्युंजय कुमार शर्मा एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजय कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

उद्घाटन सत्र में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि विज्ञान ड्राम्मा विद्यार्थियों के लिए सीखने का एक रचनात्मक माध्यम है, जो वैज्ञानिक अवधारणाओं को नाट्य प्रस्तुति के जरिए सरल और प्रभावशाली बनाता है। इस प्रतियोगिता में कैमूर जिले के कुल 30 विद्यालयों ने प्रतिभाग किया। सभी विद्यालयों की टीमों ने विज्ञान के विविध विषयों विज्ञान में महिलाएं, स्मार्ट खेती, डिजिटल इंडिया, सभी के लिए स्वच्छता, और हरित प्रौद्योगिकी पर अपनी नाट्य प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों ने अभिनय, संवाद और संदेश के माध्यम से विज्ञान को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पीएम श्री उच्च विद्यालय भगवानपुर, द्वितीय स्थान उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बरली (रामपुर) व तृतीय स्थान जायसवाल प्लस टू उच्च विद्यालय, नुआंव को प्राप्त हुआ। सभी विजेता टीमों को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मंच संचालन आफताब अली और तुलसी तेजस्विनी ने किया। इस अवसर पर संभाग प्रभारी ओमप्रकाश मिश्रा, मृत्युंजय कुमार शर्मा, मधुकर, सुमित कुमार, राजेश कुमार सिंह, श्वेता सुरभि आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता का उद्घाटन करते संभाग प्रभारी • जागरण

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग
प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग , कैमूर

चेतना - सत्र
संसाधन सामग्री निर्माण कोषांग
सदस्य सह संपादकीय समूह

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्ताकाश मंच , भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101

ईमेल –
chetnakaimur@gmail.com

भारतीय डाक सेवा
(INDIAN POSTAL SERVICE)

भारतीय डाक (इंडिया पोस्ट) दुनिया के सबसे बड़े डाक नेटवर्क में से एक है, जिसकी शुरुआत 1766 में हुई और 1854 में राष्ट्रीय महत्व का दर्जा मिला | यह पारंपरिक पत्र-डाक से लेकर ई-कॉमर्स, बैंकिंग, बीमा और सामाजिक योजनाओं जैसी कई सेवाएँ प्रदान करता है. डाकघरों का यह नेटवर्क बड़े शहरों से लेकर दूर-दराज के गाँवों तक हर भारतीय को जोड़ता है और देश की संचार और सामाजिक संरचना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है |

मुख्य सेवाएँ:

- **डाक सेवाएँ** : पत्र, पोस्टकार्ड, पैकेज और लिफाफे भेजना.
- **बैंकिंग सेवाएँ** : विभिन्न बचत योजनाएँ जैसे सुकन्या समृद्धि खाता, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना, आदि.
- **ई-कॉमर्स** : ई-कॉमर्स से जुड़ी सेवाओं में भागीदारी. मनरेगा और
- **पेंशन** : ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा की मजदूरी और वृद्धावस्था पेंशन का वितरण.
- **अन्य सेवाएँ** : पासपोर्ट, डाक, टिकट संग्रह, मनीऑर्डर, सैन्य डाक और अंतर्राष्ट्रीय डाक सेवाएँ.

ऐतिहासिक महत्व:

भारत में पहली डाक व्यवस्था 1766 में लॉर्ड क्लाइव द्वारा स्थापित की गई थी | वारेन हेस्टिंग्स ने 1774 में कलकत्ता में पहला डाकघर स्थापित किया| लार्ड डलहौजी के समय, 1 अक्टूबर 1854 को, भारतीय डाक को राष्ट्रीय महत्व की एक पृथक सेवा के रूप में स्थापित किया गया|

- **नेटवर्क** : भारतीय डाक दुनिया का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क है, जिसके 1.5 लाख से अधिक डाकघर हैं. यह नेटवर्क देश के दूर-दराज के गाँवों तक फैला हुआ है, जिससे यह सबसे बड़ा रिटेल नेटवर्क भी है |

अन्य जानकारी:

भारतीय डाक ने 1972 में पिन कोड की शुरुआत की | भारत वह देश है जिसमें दुनिया में सबसे अधिक डाकघर हैं , जिसमें 1,64,999 डाकघर हैं जिनमें 1,49,385 ग्रामीण डाकघर और 15,614 शहरी डाकघर शामिल हैं| [स्वतंत्र भारत का पहला डाक टिकट 21 नवंबर, 1947 को जारी किया गया था ।

स्वतंत्र भारत के पहले डाक टिकट पर भारत के राष्ट्रीय ध्वज का चित्रण था ।

गांधीजी पहले व्यक्ति थे जिनकी तस्वीर पहले स्वतंत्र भारत के टिकट पर छपी थी|

पूरे विश्व में सबसे ऊंचाई पर स्थित डाकघर भारत में (हिक्किम डाकघर , हिमाचल प्रदेश) है|

1. प्रार्थना

प्रार्थना

हमको मन की शक्ति, देना मन विजय करें
दूसरों की जय से पहले खुद की जय करें
हमको मन की शक्ति, देना मन विजय करें
दूसरों की जय से पहले खुद की जय करें

भेद-भाव अपने दिल से साफ़ कर सकें
दूसरों से भूल हो तो माफ़ कर सकें
झूठ से बचे रहें, सच का दम भरें
दूसरों की जय से पहले खुद की जय करें
हमको मन की शक्ति, देना मन विजय करें
दूसरों की जय से पहले खुद की जय करें

मुश्किलें पड़े तो हम पे, इतना कर्म करें
साथ दे तो धर्म का, चलें तो धर्म पर
खुदपे होसला रहे, बदी से ना डरें
दूसरों की जय से पहले, खुद को जय करें

बिहार राज्य गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करुँ कद्र हरेक मजहब की
वो खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा ही दे गंग – जमन नाज करे
आधे रास्ते पे न रुक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

छात्र – प्रतिज्ञा

भारत हमारा देश है। हम सब भारतवासी भाई-बहन हैं। हमें अपना देश प्राणों से भी प्यारा है। इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर हमें गर्व है।
हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न सदा करते रहेंगे।
हम अपने माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों का आदर करेंगे और सब के साथ शिष्टता का व्यवहार करेंगे। हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं।उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशीष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥

कैमूर चेतना सत्र

2. आज का सुविचार

"सपनों को सच करने से पहले आपको जागना होगा।"

3. दिवस विशेष

विश्व डाक दिवस

यह दिवस स्विट्ज़रलैंड के बर्न में 1874 में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाता है | इस दिन को डाक क्षेत्र में लोगों के योगदान के सम्मान और डाक सेवाओं के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस को 1969 में टोक्यो में हुई यूपीयू कांग्रेस में इसे विश्व डाक दिवस के रूप में घोषित किया गया था।

आयुवाद जागरूकता दिवस

9 अक्टूबर को आयुवाद जागरूकता दिवस भी मनाया जाता है, जो उम्र के आधार पर रूढ़िवादिता के खिलाफ जागरूकता फैलाता है।

4. आज का इतिहास

1876 - पहली बार टेलीफ़ोन पर आउट वायर के जरिए दो तरफा बातचीत हुई थी। इसके बाद 1947 में चलती हुई कार और प्लेन में बैठे दो लोगों ने बातचीत की थी। 1959 में ऑटोरिक्सा और प्लेन में चलते हुए लोगों ने बात की।

1997 - इटली के अभिनेता और लेखक डारियो फो को साहित्य का नोबल पुरस्कार दिया गया।

2006 - बहुजन समाज पार्टी (BSP) के संस्थापक कांशीराम का निधन हुआ था।

5. सामान्य ज्ञान

1. भारत में पहला डाक टिकट कब जारी किया गया था? उत्तर: 1 जुलाई 1852 को (सिंध क्षेत्र में)
2. भारत का पहला डाक टिकट किस नाम से जाना जाता है? उत्तर: सिंध डॉक टिकट
3. भारतीय डाक विभाग किस मंत्रालय के अधीन है? उत्तर: संचार मंत्रालय
4. भारतीय डाक का मुख्यालय कहाँ है? उत्तर: नई दिल्ली
5. भारतीय डाक का प्रतीक चिन्ह क्या दर्शाता है? उत्तर: उड़ता हुआ पक्षी, गति और विश्वसनीयता
6. पिन कोड प्रणाली भारत में कब शुरू हुई थी? उत्तर: 15 अगस्त 1972 को1
7. "PIN" का पूरा रूप क्या है? उत्तर: Postal Index Number
8. पिन कोड प्रणाली की शुरुआत किसने की थी? उत्तर: श्री श्रीराम भिक्षु वर्मा ने1
9. भारत का पहला पिन कोड क्या था? उत्तर: 110001 (नई दिल्ली)
10. भारत में कुल कितने पिन कोड जोन हैं? उत्तर: 9 जोन (8 क्षेत्रीय + 1 सेना डाक के लिए)1
11. पिन कोड का पहला अंक क्या दर्शाता है? उत्तर: क्षेत्र (Zone)
12. मनी ऑर्डर का उपयोग किसके लिए किया जाता है? उत्तर: धनराशि भेजने के लिए1
13. स्पीड पोस्ट सेवा कब शुरू हुई थी? उत्तर: 1986 में

6. शब्द ज्ञान

संदेश — पत्र
सेवा — कार्य3
डाकिया — पत्रवितरक
संचार — सूचना का आदान-प्रदान
आदान-प्रदान — लेन-देन
Post — डाक
Letter — पत्र
Message — संदेश
Delivery — वितरण
Communication — संचार

7. कंप्यूटर ज्ञान

HTML का पूरा नाम क्या है? ➡ Hyper Text Markup Language

8. तर्क ज्ञान

एक लड़के को इशारा करते हुए वीना ने कहा "वह मेरे दादाजी के इकलौते बेटे के बेटा है? वह लड़का वीना का क्या लगता है?

उत्तर : भाई

9. प्रेरक प्रसंग

एक पक्षी था जो रेगिस्तान में रहता था, बहुत बीमार, कोई पंख नहीं, खाने-पीने के लिए कुछ नहीं, रहने के लिए कोई आश्रय नहीं था। एक दिन एक कबूतर उधर से गुजर रहा था, उस बीमार और दुःखी पक्षी ने कबूतर को रोका और पूछा-
"तुम कहाँ जा रहे हो? उसने उत्तर दिया- "मैं स्वर्ग जा रहा हूँ"
बीमार पक्षी ने कहा- "कृपया मेरे लिए पता करें, मेरी पीड़ा कब तक समाप्त हो जाएगी?"
कबूतर ने कहा- "निश्चित ही मैं पता करूँगा।"
कबूतर ने इतना कह कर बीमार पक्षी से विदा ली। कबूतर स्वर्ग पहुंचा और प्रवेश द्वार पर देवदूत को बीमार पक्षी का संदेश दिया। देवदूत ने कहा- "पक्षी के जीवन में अगले सात वर्ष तक इसी तरह कष्ट लिखा हुआ है उसे ऐसे ही सात वर्ष तक कष्ट भोगना पड़ेगा, तब तक उसके जीवन में कोई खुशी नहीं है।
कबूतर ने कहा- "जब बीमार पक्षी यह सुनेगा तो वह निराश हो जाएगा क्या आप इसके लिए कोई उपाय बता सकते हैं। देवदूत ने उत्तर दिया-
"उससे कहो कि इस वाक्य को हमेशा बोलता रहे... *"इन सब के लिए भगवान तेरा शुक्र है"।*
वापिसी पर जब वह बीमार पक्षी कबूतर से फिर मिला तो कबूतर ने उस स्वर्गदूत का संदेश दिया |
सात-आठ दिनों के बाद कबूतर जब फिर उधर से गुजर रहा था, तब उसने देखा कि पक्षी बहुत खुश था उसके शरीर पर पंख उग आए थे। उस रेगिस्तानी इलाके में एक छोटा सा पौधा लगा हुआ था, वहां पानी का एक छोटा सा तालाब भी बना हुआ था चिड़िया खुश होकर नाच रही थी कबूतर चकित था देवदूत ने कहा था कि अगले सात वर्षों तक पक्षी के लिए कोई खुशी नहीं होगी इस सवाल को ध्यान में रखते हुए कबूतर स्वर्ग के द्वार पर देवदूत से मिलने पहुंच गया।
कबूतर ने देवदूत से अपने मन में उठते हुए सवालों का समाधान पूछा तो देवदूत ने उत्तर दिया-
"हाँ..!! यह सच है कि पक्षी की जिन्दगी में सात साल तक कोई खुशी नहीं लिखी थी लेकिन क्योंकि पक्षी हर स्थिति में *"इन सब के लिए भगवान तेरा शुक्र है।"* बोल रहा था और भगवान का शुक्र कर रहा था, इस कारण उसका जीवन बदल गया |जब पक्षी गर्म रेत पर गिर गया तो उसने कहा- "इन सब के लिए भगवान तेरा शुक्र है"
जब यह उड़ नहीं सकता था तो उसने कहा-"इन सब के लिए भगवान तेरा शुक्र है" जब उसे प्यास लगी और आसपास पानी नहीं था, तो उसने कहा- "इन सब के लिए भगवान तेरा शुक्र है"
जो भी स्थिति हो, पक्षी दोहराता रहा- "इन सब के लिए भगवान तेरा शुक्र है"और इसलिए सात साल सात दिनों में समाप्त हो गए।

10. बूझो तो जानें

मैं ज़िंदा नहीं हूँ, पर बढ़ता हूँ; मेरे पास फेफड़े नहीं हैं, पर मुझे हवा चाहिए; मेरे पास मुँह नहीं है, पर पानी मुझे मार देता है। मैं क्या हूँ? उत्तर: आग

11. रोचक तथ्य

विश्व का सबसे ऊँचा डाकघर भारत के हिमाचल प्रदेश में लाहौल और स्पीति जिले के हिक्किम गाँव में स्थित है, जो समुद्र तल से लगभग 4,440 मीटर (14,567 फीट) की ऊँचाई पर है। यह डाकघर पूरी तरह से चालू है, जिससे पर्यटक और स्थानीय लोग इस दूरस्थ हिमालयी गाँव से अपने प्रियजनों को पोस्टकार्ड भेज सकते हैं।

12. विभागीय सूचना

- ❖ विज्ञान क्विज़ एवं विज्ञान प्रदर्शनी में प्रखंड स्तर पर चयनित सभी प्रतिभागी कल दिनांक 10.10.2025 को डायट मोहनियाँ में आयोजित जिला स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता एवं विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता में भाग लेना सुनिश्चित करेंगे |
- ❖ PBL MIP पूरा करने की अंतिम तिथि 10.10.2025 है | अत: सभी विद्यालय 09.10.2025 तक MIP पूरा करके स्क्रीनशॉट ग्रुप में भेजना सुनिश्चित करें |
- ❖ आज विकसित भारत बिल्डथान 2025 का रजिस्ट्रेशन करना सुनिश्चित करें |

भगवानपुर के छात्रों का रहा जलवा, दिखा रचनात्मकता और विज्ञान का संगम

- जिला स्तरीय विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता का शारदा ब्रजराज उच्च विद्यालय में आयोजन

प्रतिनिधि, भभुआ नगर

एनसीइआरटी, पटना के निर्देश के आलोक में बिहार शिक्षा परियोजना, कैमूर के तत्वावधान में बुधवार को शारदा ब्रजराज प्लस टू उच्च विद्यालय, मोहनियां के प्रांगण में जिला स्तरीय विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ संभाग प्रभारी मृत्युंजय कुमार शर्मा और विद्यालय के प्रधानाध्यापक अजय कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद संभाग प्रभारी ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए सीखने का यह एक रचनात्मक माध्यम है, जो वैज्ञानिक अवधारणाओं को नाट्य प्रस्तुति के जरिये सरल और प्रभावशाली बनाता है. साथ ही कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, रचनात्मक अभिव्यक्ति और मंचीय प्रस्तुति कौशल को प्रोत्साहित करना है, ताकि वे विज्ञान को जीवन से जोड़ कर उसकी उपयोगिता को समझ सकें. इधर, जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान: पीएम श्री उच्च विद्यालय, भगवानपुर व द्वितीय स्थान उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बरली (रामपुर) और तृतीय स्थान जायसवाल प्लस टू उच्च विद्यालय, नुआंव के छात्रों को मिला. प्रतियोगिता में सभी विजेता टीमों को ट्रॉफी एवं प्रशस्तिपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन आफताब अली और तुलसी तेजस्विनी ने किया.

कार्यक्रम का उद्घाटन करते संभाग प्रभारी एवं प्रधानाध्यापक.

प्रतियोगिता में 30 विद्यालय के छात्रों ने लिया भाग : प्रतियोगिता में जिले के 30 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया. सभी विद्यालयों की टीमों ने विज्ञान के विविध विषयों विज्ञान में महिलाएं, स्मार्ट खेती, डिजिटल इंडिया, सभी के लिए स्वच्छता, और हरित प्रौद्योगिकी — पर अपनी नाट्य प्रस्तुतियां प्रस्तुत किये. विद्यार्थियों ने अभिनय, संवाद और संदेश के माध्यम से विज्ञान को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया. इस मौके पर संभाग प्रभारी ओमप्रकाश मिश्रा, मधुकर सुमित कुमार, राजेश कुमार सिंह, श्वेता सुरभि, रजनी ओझा, सतेंद्र सिंह, अखिलेश कुमार, ऋषिता, अंकिता श्रीवास्तव, आफताब अली, अंशु सिंह सहित शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे.

कैमूर चेतना-सत्र टीम

हर सुबह एक नई चेतना

संपर्क सूत्र : 8271039022